हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 16 सितम्बर 2020 को विश्व ओज़ोन परत संरक्षण दिवस का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक **16 सितम्बर 2020** को **विश्व ओज़ोन परत संरक्षण दिवस** मनाया गया । इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों तथा क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों एवं वन विज्ञान केन्द्रों के कर्मचारियों **(लगभग 40)** ने ऑनलाइन **"Google Meet"** के माध्यम से भाग लिया ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि, **डॉ. एस.एस. सामंत**, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. रेणु लता, वरिष्ठ वैज्ञानिक, गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, हिमाचल क्षेत्रीय केंद्र, मौहल-कुल्लू, हिमाचल प्रदेश, सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों का अभिनंदन एवं स्वागत किया । उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि 1994 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 16 सितंबर को ओज़ोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस की घोषणा की । हमें मानव जनित गतिविधियों का संतुलन बनाकर भविष्य की पीढ़ियों के लिए ओज़ोन परत की रक्षा करना जारी रखना चाहिए ।

इसके उपरांत मुख्य वक्ता **डॉ. रेणु लता**, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने **ऑनलाइन पावर पॉइंट प्रस्तुति द्वारा "Ozone Layer Depletion- Causes, Effect and Solutions"** पर विस्तृत जानकारी प्रदान की । उन्होंने कहा कि ओज़ोन परत सूरज की पराबैंगनी हानिकारक किरणों से पृथ्वी पर हमारी रक्षा करती है और यह पृथ्वी ग्रह पर जीवन को संरक्षित करने में मदद करती है। हमें ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों का नियंत्रित उपयोग करके भविष्य की पीढ़ियों के लिए ओजोन परत की रक्षा करने में मदद करनी चाहिए ।

कार्यक्रम के अंत में **श्री जगदीश सिंह**, वैज्ञानिक-एफ व प्रभागाध्यक्ष विस्तार ने इस आयोजन में भागीदारी एवं सहयोग के लिए सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों तथा क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों एवं वन विज्ञान केन्द्रों के कर्मचारियों को धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया ।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

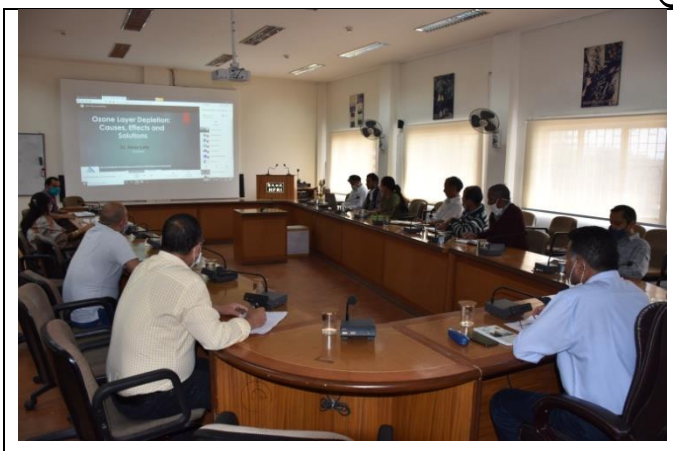

प्रकाशित समाचार

विश्व ओजोन परत संरक्षण दिवस मनाया

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा बुधवार को विश्व ओजोन परत संरक्षण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों तथा क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों एवं वन विज्ञान केन्द्रों के कर्मचारियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि, डॉ. एसएस सामंत, निदेशकए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने कार्यक्रम को सबंधीत करते हुए कहा कि में कहा कि 1994 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 16 सितंबर को ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस की घोषणा की थी। हमें मानव जनित गतिविधियों का संतुलन बनाकर भविष्य की पीढ़ियों के लिए ओजोन परत की रक्षा करना जारी रखना चाहिए । उन्होंने कहा कि ओजोन परत सूरज की पराबैंगनी हानिकारक किरणों से पृथ्वी पर हमारी रक्षा करती है और यह पृथ्वी ग्रह पर जीवन को संरक्षित करने में मदद करती है। हमें ओजोन क्षयकारी पदार्थों का नियंत्रित उपयोग करके भविष्य की पीढ़ियों के लिए ओजोन परत की रक्षा करने में मदद करनी चाहिए।

हिमाचल दस्तक

****